



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 12]
No. 12]

नई दिल्ली, मंगलवार, फरवरी 25, 1986/फाल्गुन 6, 1907
NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 25, 1986/PHALGUNA 6, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके ।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के
अधीन सूचनाएं

नई दिल्ली: 7 फरवरी, 1986

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू./1/एत. आर. 1/5-85/80 जे:—
अतः मुझे आर. पी. राजेश, आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सज्जन अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, विपदा उद्भूत बाजार मूल्य 1,00,000 रु.
से अधिक है और जिसकी संख्या 30 डी है तथा जो काना नगर, गान्ध
फ्लोर नई दिल्ली, में स्थित है (अब इनके उपायक अनुसूचि में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अफिफारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय
रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
मई 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उद्भूत बाजार मूल्य
से कम दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे

अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण
के वास्तव में कमी करने या उतरी बचने में सुविधा के लिए
अंतर/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन, या अन्य वास्तविक को, जिन्हें
भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 17) के प्रयोजनार्थ अन्तरित
द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, मैं
उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उप-धारा (1) के अधीन निम्न-
लिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. श्री/श्रीमती/कुमारों में, मुनालाल राम धारों (एच-यु-एफ)
द्वारा कर्ता नैनेजर श्री राम धारों, निवासी 31 डी,
कमला नगर, दिल्ली—7 (अन्तरक)

2. श्री/श्रीमती/कुमारी श्री राम लाल मिश्रा/श्री सुकुमारी हिमाला मिश्रा/श्री (1) श्री राजेश मिश्रा/श्री सुकुमारी हिमाला मिश्रा/श्री 30 ड, कल्ला नगर, दिल्ली-7 (अंतरित)
3. श्री/श्रीमती/कुमारी..... (वह व्यक्ति जिसके अधिनो में सम्पत्ति है)
4. श्री/श्रीमती/कुमारी..... (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षर जाया है कि वह सम्पत्ति में हितवृद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के तारखे से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना का तमाल से 30 दिन की अवधि बाध में समाप्त होता है, के पश्चात् पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसे व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के तारखे से 45 दिन के पश्चात् उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसे अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षर के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 10-क में सहा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भाग प्रो. नं. 30-डी कमला नगर, माउण्ट फ्लोर, ताबादी 717
को फोट, दिल्ली,

तारीख 7/2/86

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दें)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II

NOTICES UNDER SECTION 269 D (I) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 7th February, 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1/5-85/80G—Whereas I, R. P. RAJESH being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Portion of Property No. 30-D, Kamla Nagar, situated at Ground Floor (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Munna Lal Ram Dhari HUF through its Karta Manager Sh. Ram Dhari, 31-D, Kamla Nagar, Delhi-7.—(Transferor)

(2) (1) Shri Ram Lal Miglani s/o Shri Hira Lal Miglani (2) Shri Rajesh Miglani s/o Shri Ram Lal Miglani 30-D, Kamla Nagar, Delhi.
(Transferee)

(3) Shri/Smt./Km. (Person(s) in occupation of the property)

4) Shri/Smt./Km. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the official Gazette;

Explanation : The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of property No. 30-D, Kamla Nagar
Ground floor measuring 717 sq. ft.

Date : 7-2-86

Seal

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू. 1/2/एम. आर. 1/5-85/80-एक
अतः मुझे, कार. पो. राजेश, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ड के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000-रु. से

अधिक है और जिसकी संख्या 30-डी का हिस्सा है तथा जो कम्ला नगर, दिल्ली, (पहले मंजिल) में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ने प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तराल के दायित्व में कर्मा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन, या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रभावार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री/श्रीमती/कुमारी मै. मुन्ना लाल राम धारी (एच-यू-एफ) द्वारा कर्ता मैनेजर श्री राम धारी, निवासी-31-डी, कम्ला नगर, दिल्ली-7 (अन्तरक)
2. श्रीमती जनक रानी मिगलानी पत्नी श्री राम लाल मिगलानी, निवासी-30 डी., कम्ला, नगर दिल्ली-7 (अन्तरिकी)
3. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति जिसके अधिसौग में सम्पत्ति है)
4. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरित जाता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-काण्डी शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सरनम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किंवा अन्य व्यक्ति, द्वारा, अर्थात् हस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकें।

अन्तरिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची।

पहली मंजिल, 30-डी का हिस्सा, कम्ला नगर, दिल्ली-7, तारीख 735.6 वर्ग फीट,

तारीख 7/5/86

मोहर :

(या लागू न हो उसे काट दें)

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/5-85/80-H.—Whereas I, R. P. Rajesh being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Portion of 1st floor of property No. 30D situated at Kamla Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Munna Lal Ram Dhari HUF through its Karata Manager Shri Ram Dhari, 31-D, Kamla Nagar, Delhi.---(Transferor)
- (2) Smt. Janak Rani Miglani w/o Shri Ram Lal Miglani, 30-D, Kamla Nagar, Delhi. Transferee
- (3) Shri/Smt [Km.....(Persons(s) in occupation of the property)
- (4) Shri/Smt [Km. (Persons(s) whom theundersigned knows to beinterested in the property).

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this

